महत्वपूर्ण एवं खास

एकलव्य आवासीय विद्यालय के क्वरंटाइन सेंटर में दिया जा रहा ताजा भोजन

राजनांदगांव(आरनएएस)एकलव्य आवासीय विद्यालय पेंड्री को 23 मार्च से क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। यहां क्वारंटाइन किए गए व्यक्तियों के लिए चाय नाश्ते के साथ-साथ दोपहर और शाम के भोजन की व्यवस्था सतत् रूप से की जा रही है। एसडीएम राजनांदगांव श्री मुकेश रावटे ने इस आज यहां बताया कि क्वारंटाइन सेंटर तथा रैन बसेरा में रह रहे लोगों के लिए कलेक्टोरेट कैन्टीन में सुबह-शाम ताजा भोजन तैयार किया जाता है। कैन्टीन में भोजन बनाने वाले रसोईये को शादियों एवं पार्टियों में खाना बनाने का पिछले 15 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। ये 2 अप्रैल से यहां भोजन तैयार कर रहे हैं। इनके संबंध में कोई शिकायत नहीं आई है। यहां तैयार भोजन की गुणवत्ता की जांच समय-समय पर खाद्य एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा की जाती है। एकलव्य हॉस्टल में प्रत्येक बिस्तर के बीच 5 से 6 फीट की दूरी रखी गई है। जिसे मेडिकल टीम द्वारा सही ठहराया गया है। वर्तमान में सुबह का नाश्ता हॉस्टल के रसोई में तैयार किया जा रहा है तथा दोपहर एवं शाम का ताजा भोजन राजस्व विभाग द्वारा दिया जाता है। राजस्व विभाग द्वारा तैयार भोजन शहर के लगभग 10 स्थानों में दिया जाता है। आज तक किसी भी स्थान से भोजन की गुणवत्ता के संबंध में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

964 श्रमिकों के बैंक खाते में 04 लाख 82 हजार रूपए सहायता के लिए स्थानांतरित किए गए

बालोद, (आरनएएस)कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु देश में लॉकडाउन के दौरान जिले के 964 श्रमिक जो अन्य राज्यों में फंसे हुए है, उनके बैंक खाते में 04 लाख 82 हजार रूपए सहायता राशि प्रति श्रमिक पॉच सौ रूपए के मान से राशि स्थानांतरित किए गए है। कलेक्टर ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान जिले के कई श्रमिक अन्य राज्यों में फंसे हुए हैं। विभिन्न माध्यमों तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा श्रमिकों को राहत एवं आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने उनके खाते में राशि स्थानांतरित करने हेतु आग्रह किए जाने पर अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में तहसील स्तरीय समिति गठित की गई। समिति द्वारा श्रमिकों की पात्रता का परीक्षण कर अनुशंसा किए जाने पर गुण्डरदेही तहसील के 315 श्रमिक, बालोद तहसील के 37 श्रमिक, गुरूर तहसील के 24 श्रमिक, डौण्डीलोहारा तहसील के 532 श्रमिक और डौण्डी तहसील के 56 श्रमिक के बैंक खाते में प्रति श्रमिक पॉच सौ रूपए के मान से सहायता राशि स्थानांतरित की गई।

मुंगेली मे चिकित्सा अधिकारियों के अस्थाई रूप से सेवा लिये जाने हेतु आवेदन आमंत्रित

मुंगेली (आरएनएस)मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार नोवेल कोरोना (कोविड-19) महामारी से संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु जिला मुंगेली मे चिकित्सा विशेषज्ञ एवं चिकित्सा अधिकारियों का अगामी 3 माह हेतु अस्थाई रूप से सेवा लिये जाने हेतु आवेदन पत्र ईमेल nhmmungeli@gmail.com अथवा वाट्सअप नंबर 9826136399 पर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा सकता है। विज्ञापन संबंधी विस्तृत जानकारी नियम एवं शर्ते कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मुंगेली के सूचना पटल तथा जिले की वेबसाईट 222.mungeli.gov.in पर अवलोकन कर सकते है।

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक माल परिवहन करने वाले 100 वाहन चालकों को दिए गए सुरक्षा किट

न्याय साक्षी/रायगढ़। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम हेतु शासन द्वारा समय-समय पर विभिन्न निर्देश जारी किये गए हैं। सोशल व फिजिकल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने, नियमित हाथ धोने, मास्क पहनने जैसे सुरक्षात्मक उपायों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल ट्रांसपोर्ट नगर चौक में पहुंचकर मालयानों में आवश्यक माल परिवहन करने वाले 100 वाहन चालकों को सुरक्षा किट जैसे सेनेटाईजर बॉटल, साबुन, फेस मॉस्क, हैण्ड ग्लोब्स प्रदान किया गया। साथ ही चालकों को हाथ धोते रहने, लोगों से आवश्यक दूरी बनाकर रखने व मॉस्क के उपयोग करने की सलाह दी। श्री अग्रवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में भी चालकों को सुरक्षा किट वितरण का कार्य जारी रहेगा।

रायपुर कोटा राजस्थान से सकुशल छत्तीसगढ़ लौटे छात्र-छात्राएं

- रायपुर कोटा राजस्थान से सकुशल छत्तीसगढ़ लौटे छात्र-छात्राएं छात्र हुए खुश और अभिभावकों को मिली राहत
- कोटा हॉट स्पॉट होने के कारण छात्रों का क्वरेंटाईन जरूरी
- क्वरेंटाईन सेंटरों में रहने, खाने-पीने सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था

रायपुर, (आरएनएस)मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल और निर्देशन पर राजस्थान के कोटा शहर में कोचिंग कर छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं की आज सुबह सकुशल अपने राज्य छत्तीसगढ़ वापसी संभव हो सकी है। छात्र-छात्राओं की सकुशल वापसी में प्रशासन, पुलिस, परिवहन, चिकित्सा अधिकारियों के साथ ही वाहन चालक और उनके परिचालकों की अहम भूमिका रही है। सकुशल अपने राज्य वापसी पर छात्र-छात्राएं जहां खुश है वहीं उनके अभिभावकों ने भी राहत की सांस ली है।

ज्ञातव्य है कि राजस्थान का कोटा शहर कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की दृष्टि से एक हॉट स्पॉट सेन्टर चिन्हित है। यहां कई पॉजिटिव केस पाए गए है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन के तहत और प्रदेशवासियों की सुरक्षा के मद्देनजर कोटा से लौटने वाले सभी छात्र-छात्राओं को क्वारेंटाईन में रखना बहुत जरूरी था। इसे देखते हुए राज्य सरकार द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को क्वारेंटाईन में रखा गया है। राज्य सरकार द्वारा पहले ही मीडिया और अन्य माध्यमों से छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को इसके बारे में अवगत कराया गया था। कोटा से वापसी छात्र-छात्राओं के लिए स्वैच्छिक था। क्वारेंटाईन सेंटरों में छात्र-

रायगढ़ जरूरतमंदों के लिए पॉवर ग्रीड ने बाल सदन में दिया सूखा राशन

रायगढ़, (आरएनएस) लॉक डाउन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पावर ग्रिड कंपनी ने निगम आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता एवं एसडीएम आशीष देवांगन की उपस्थिति मे बाल सदन में सूखा राशन प्रदान किया। विदित हो कि लॉकडाउन होने के बाद कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आय बंद हो गई है, जिसके कारण इनके सामने काफी समस्याएं खड़ी हो गई है। इसको देखते हुए बाल सदन से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा जरूरतमंदों तक सूखा खाद्यान्न पहुंचाकर दिया जा रहा है। लॉक डाउन के प्रथम चरण में लोगों तक राशन पहुंचाया गया था। लॉकडाउन की अवधि बढ़ जाने पर इन लोगों को दोबारा सूखा खाद्यान्न दिया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता एवं एसडीएम आशीष देवांगन है।

श्रमिकों के लिए राहत भरी बड़ी खबर

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों की शीघ्र वापसी के प्रयास जारी

रायपुर, (आरएनएस)मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के ऐसे श्रमिक जो कोरोना वायरस (कोविड-19) संकट के लॉकडाउन के कारण अन्य राज्यों में फंसे हुए है, उनकी छत्तीसगढ़ वापसी के लिए राज्य सरकार प्रयास कर रही है और उनकी वापसी के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाएगी।

इसी तरह अन्य राज्यों के श्रमिक जो छत्तीसगढ़ के रास्ते से होकर अपने राज्यों में जाएंगे उनके लिए यह प्रावधान किया गया है कि वो राज्य की सीमा पर बनाए गए चेकपोस्ट पर अपना पंजीयन करा लें और वहीं पर रूके, उनके वहीं पर रूकने और भोजन की व्यवस्था रहेगी। छत्तीसगढ़ सरकार ऐसे श्रमिकों को राज्य की सीमा से उनके राज्य की सीमा तक पहुंचाने की व्यवस्था करेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कवच मोबाइल एप का किया शुभारंभ

कोरोना से संबंधित शासकीय परामर्श, आदेश और जानकारियां तत्काल लोगों तक पहुंचने में मिलेगी मदद

एप में कोविड-19 ई-पास के लिए आवेदन की सुविधा

राज्य के संदिग्ध और पुष्टिवाले कोरोना मामलों की जानकारी रियल टाइम पर डैश बोर्ड में होगी उपलब्ध

रायपुर, (आरएनएस)मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में कोरोना से संबंधित शासकीय परामर्श, आदेश और जानकारियों को तत्काल आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए विकसित कवच मोबाइल एप का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग एवं चिप्स के द्वारा इस मोबाइल एप को बनाया गया है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव स्वास्थ्य श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं श्री नीरज बंसोड़ और चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री समीर बिश्नोई मौजूद थे।

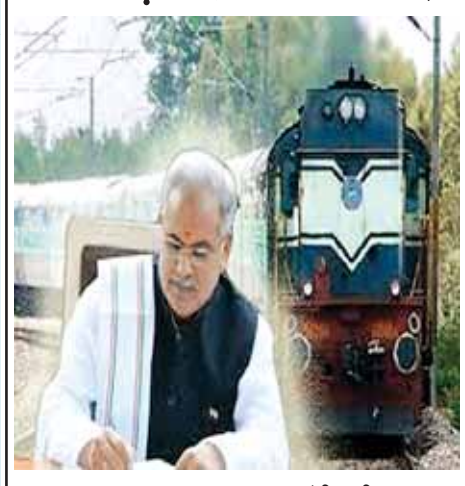

कोरोना से संबंधित शासकीय परामर्श, आदेश और जानकारियों को तत्काल आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए कवच मोबाइल एप विकसित किया गया है। इस एप में राज्य के संदिग्ध और पुष्टिवाले कोरोना मामलों की जानकारी रियल टाइम पर डैश बोर्ड के माध्यम से आम जनता के लिए उपलब्ध रहेगी। इस एप में कोविड-19 ई-पास के लिए आवेदन करने की सुविधा भी है। एप्प से प्रदेशवासियों को अस्पताल और नोडल अधिकारियों का विवरण मिलेगा, साथ ही नागरिकों को उनके निवास के निकटतम अस्पताल की जानकारी मिलेगी, जहां मरीज किसी भी लक्षण की दशा में पहुंच सकते हैं।

कोरोना जागरूकता के लिए विकसित कवच एप की प्रमुख विशेषताओं में छत्तीसगढ़, भारत और वैश्विक आंकड़े के वास्तविक समय का डैश बोर्ड और छत्तीसगढ़ में कोरोना अस्पतालों की जानकारी शामिल है। इसमें कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए आपातकालीन राहत कोष में दान करने की सुविधा, कोविड-19 से संबंधित शासकीय आदेश और कोरोना के लक्षणों की जांच और त्वरित स्व-जांच की जानकारी भी आसानी से मिल जाएगी। साथ ही कर्फ्यू पास, कोरोना के प्रति जागरूकता, यात्रा निर्देश, रोकथाम उत्पाद की जानकारी और फेक न्यूज की जानकारी भी मिलेगी।

यह एप लोगों को समय-समय पर लक्षणों की जांच करने के लिए उपाय बतायेगा और कोरोना लक्षण पाए जाने की दशा में लोगों को शासन द्वारा दी गई सलाह का पालन करने के लिए सूचित करेगा। आम लोगों तक सही और सटीक जानकारी पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और संदेशों वाले फेक न्यूज का विवरण भी इस एप में दिया जा रहा है। साथ ही लोगों को आपातकाल में यात्रा पर जाने की दशा में पालन किए जाने वाले सभी आवश्यक यात्रा निर्देश भी बताये गये हैं, आवश्यक सामग्रियों की होम डिलीवरी सुविधा भी एप में उपलब्ध है।

आम नागरिक जो इस महामारी की विपरीत परिस्थितियों में स्वयं सेवक बनकर समाज की सेवा करना कहते हैं, वे भी इस एप से आवेदन भी कर सकते हैं। स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा निवारण उपायों में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों से संबंधित जानकारी इस एप के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। यह एप लोकेशन और तस्वीरों के साथ भीड़-भाड़ की शिकायत करने की सुविधा भी प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति को चेकपोस्ट में देनी होगी पूरी जानकारी

- बिना जानकारी दिए प्रवेश करने वालों पर होगी कठोर दण्डात्मक कार्रवाई
- चेक पोस्ट पर जानकारी दर्ज होने और प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच के बाद ही मिलेगा प्रवेश

राज्य सरकार के जारी किए निर्देश

रायपुर, (आरएनएस)कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है कि अब प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने के पूर्व सीमा में बनाए गए चेक पोस्ट पर श्रमिकों सहित हर उस व्यक्ति को अपनी पूरी जानकारी और यात्रा विवरण देना होगा जो छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा। यदि कोई व्यक्ति बिना जानकारी दिए प्रवेश करते पाया जाएगा तो उसके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रवेश के पूर्व लोगों को चेकपोस्ट में अपनी पूरी जानकारी और यात्रा विवरण दर्ज कराना होगा और यहां उनके प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच के बाद ही उन्हें राज्य की सीमा में प्रवेश दिया जाएगा। यदि कोई इसका उल्लंघन करेगा तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए है।

गिरौदपुरी में गुरूदर्शन मेला 28 फरवरी से, सभी तैयारियां पूर्ण

मेले में 15 स्थानों पर दाल-भात केन्द्र स्थापित- मांस-मदिरा, प्लास्टिक और कैरीबेग प्रतिबंधित कानून व्यवस्था के लिए 20 मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी

रायपुर, (आरएनएस) संत शिरोमणि बाबा गुरू घासीदास की तपोभूमि में गुरूदर्शन मेला 28 फरवरी से शुरू हो रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के गिरौदपुरी में यह मेला तीन दिनों तक अर्थात् एक मार्च तक चलेगा। लाखों की संख्या में देश-विदेश से बाबा के अनुयायी इस दौरान दर्शन के लिए जुटते हैं। मेले के सुचारू संचालन के लिए अनुविभागीय अधिकारी कसडोल को मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले में लोगों की बुनियादी सुविधाएं एवं कानून व्यवस्था संबंधी तमाम प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मेला विकास समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की है।

गुरूदर्शन मेला की व्यवस्था के लिए मुख्य मेला परिसर, कुतुबमीनार से भी ऊंचा नवनिर्मित जैतखाम, अमृत कुण्ड, महाराजी, छाता पहाड़, पंचकुण्डी, जन्म स्थली आदि सेक्टरों में पुलिस, पीएचई, विद्युत विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरे मेला परिसर में 200 से अधिक समूहों द्वारा 15 स्थानों पर दाल-भात केन्द्र बनाया गया है। इन केन्द्रों में श्रद्धालुओं को रियायती दर पर मात्र 10 रूपए में भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। मेले में पेयजल और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। मेला विकास समिति में लिए गए निर्णय के अनुसार दस किलोमीटर के क्षेत्र में मेला के दौरान मांस-मदिरा, तम्बाकू-गुटखा, प्लास्टिक और कैरीबेग को प्रतिबंधित किया गया है। पूरे परिसर में सुरक्षा बल के साथ-साथ चप्पे-चप्पे पर पूरे राज्य भर से आए 20 कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है, दस सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। [illegible]

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। [illegible]

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
[illegible]

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU